[https://pamiec.pl/pa/edukacja/konkursy/ogolnopolskie/epizody-z-historii-najn/22972,VII-EDYCJA-OGOLNOPOLSKIEGO-KONKURSU-quotEPIZODY-Z-HISTORII-NAJNOWSZEJ-POLSKI-W-K.html](https://pamiec.pl/pa/edukacja/konkursy/ogolnopolskie/epizody-z-historii-najn/22972%2CVII-EDYCJA-OGOLNOPOLSKIEGO-KONKURSU-quotEPIZODY-Z-HISTORII-NAJNOWSZEJ-POLSKI-W-K.html)

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  | Pobierz obrazki |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| *Warszawa, 13 marca 2019 roku* |

 |

 |  |

 |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| *Szanowni Państwo,* |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| z radością **zapraszamy wszystkie szkoły, biblioteki i domy kultury do udziału w konkursie plastycznym** na projekt znaczka pocztowego „Świat oczami młodych”. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Trzecia odsłona konkursu, organizowana pod hasłem „Przywróćmy tradycyjne sady”**, poświęcona jest tematyce ratowania starych odmian drzew owocowych, a tym samym zwiększania różnorodności biologicznej polskiej przyrody. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Trzy najlepsze prace oraz nazwiska laureatów znajdą się na znaczkach pocztowych,** które zostaną wprowadzone do obiegu jesienią 2019 roku. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| Konkurs patronatami honorowymi objęli: Minister Edukacji Narodowej, Minister Infrastruktury, Ministerstwo Kultury i Dziedzictwa Narodowego, Ministerstwo Rolnictwa i Rozwoju Wsi, a także Uniwersyteckie Centrum Badań nad Środowiskiem Przyrodniczym i Zrównoważonym Rozwojem. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Adresaci** |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Zadanie konkursowe** |

 |

 |  |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| Klasy 4-8 szkół podstawowych, gimnazja, szkoły średnie; Domy kultury; Młodzież w wieku 10–19 lat;Nauczyciele/Opiekunowie, którzy pełnić będą rolę Koordynatorów konkursu na terenie danej placówki szkolnej lub domu kultury. |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| Przygotowanie przez uczniów projektu znaczka pocztowego, który przedstawiać będzie sady, ze starymi odmianami drzew owocowych, uprawiane metodami ekologicznymi, niepowodującymi negatywnego wpływu na środowisko, do hasła „Przywróćmy tradycyjne sady”. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Przebieg konkursu** |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Terminarz** |

 |

 |  |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Konkurs dzieli się na dwa etapy.** **W pierwszym** koordynator powinien na terenie swojej placówki zorganizować zajęcia dotyczące tradycyjnych sadów oraz wewnętrzny konkurs, w którym zostaną wyłonione maksymalnie trzy najlepsze prace. **W drugim** etapie najlepsze prace należy przesłać organizatorom konkursu „Świat oczami młodych”. |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **do 19 marca 2019 roku**Rejestracja Szkół i Domów Kultury na stronie [www.oczamimlodych.pl](https://mail.mailnews.pl/c/oousnaj95k/kbb48nklg2/)**do 14 maja 2019 roku**Nadsyłanie najlepszych prac wyłonionych w wewnętrznym konkursie. |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Więcej informacji:** |

 |
|

|  |
| --- |
|  |

 |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| [**www.oczamimlodych.pl**](https://mail.mailnews.pl/c/80kpsmwwvg/kbb48nklg2/)**www.oczamimlodych.pl** |

 |

 |

 |

 |  | Pobierz obrazki |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| *Serdecznie zapraszamy!* |

 |

 |  |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

 |  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| *Maria Jakubowska*Koordynatorka konkursu  |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Fundacja Banku Ochrony Środowiska**ul. Żelazna 32, 00-832 Warszawa[www.fundacjabos.pl](https://mail.mailnews.pl/c/ob4eizdp70/kbb48nklg2/) | 507 006 579 | [biuro@fundacjabos.pl](https://mail.mailnews.pl/c/o64uivml34/kbb48nklg2/)  |

 |

 |  |

 |

|  |
| --- |
|  |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |

 |  |

 |

 |

 |

 |